विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक- 03/06/2020***
वर्ग-तृतीय ***वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी***

पाठ-3

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने कहानी अध्ययन किया। हमें पूर्ण विश्वास है की आपने कहानी को पूरे मनोयोग से पढ़ा होगा और समझने का प्रयास किए होंगे। आज उसी कहानी का सारांश जानना है। जो इस प्रकार है:—-

प्रस्तुत कहानी का सारांश यह है कि अमीर मीर अली नाम का एक व्यक्ति था। उसके ही वेशभूषा में एक और व्यक्ति था जो ख़ुद को मीर अली बताता था। लेकिन असल में वह मीर अली का नौकर था जो दस साल पहले उसकी संपती लेकर भाग गया था। और जब फिर से वापस आया तो ख़ुद को मीर अली बताने लगा। दोनों को झगड़ा करते हुए कोतवाल ने देखा तो उसे राजा अकबर के पास ले गया। अकबर को भी जब सारी बात बतायी तो वो भी नहीं समझ पाया की असली मीर अली कौन है। अकबर ने तब बीरबल को कहा। बीरबल बहुत ही चतुर और होशियार थे। वे दोनों को कसाई के पास ले गए और कसाई को बोला की नक़ली मीर अली की गर्दन काट दो। नक़ली मीर अली घबरा कर भाग गया और असली मीर अली का पता चल गया।

बच्चों इस कहानी ला सारांश लिखें तथा समझने का प्रयास करें।

गृहकार्य :—

उचित विकल्प चुनकर ख़ाली स्थान भरिए। :—
(क) दोनों अपने-आप को असली _____ बता रहे थे।(शेर अली/मीर अली)
(ख)नौकर अपने मालिक की _____ लेकर भाग गया था।(घोड़ी/दौलत)
(ग)अकबर भी उन दोनों को देखकर _____ आश्चर्य में पड़ गए। (उलझन/आश्चर्य)
(घ)खिड़की के बहत एक_____खड़ा था। (सैनिक/जल्लाद)
(ङ)नौकर ने तुरंत अपनी_____अंदर कर ली। (गर्दन/तलवार)

हमने सीखा — बुद्धि के बल पर बिना किसी को हानि पहुँचाए बड़ी-से-बड़ी समस्या को भी हल किया जा सकता है।